अनुक्रमणिका

- भूमिका — पृ०- i-vi
- विषय-प्रवेश — पृ०-1

प्रथम अध्याय : श्रीनरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व — पृ०- 2-31

(क) बाह्य व्यक्तित्व

(ख) आन्तरिक व्यक्तित्व

(ग) कृतित्व

(घ) काव्य विषयक धारणाएँ

(ङ) धारणाओं की मौलिकता

(च) धारणाओं का कृतित्व में प्रतिफलन

(छ) निष्कर्ष ।

द्वितीय अध्याय : शैली-वैज्ञानिक अध्ययन : सैद्धान्तिक विवेचन — पृ०- 32-59

(क) शैली-विज्ञान एक नवीन, वस्तुनिष्ठ समीक्षा-पद्धति

(ख) शैली-विज्ञान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

(ग) शैली-वैज्ञानिक समीक्षा की प्रक्रिया

(घ) शैली-वैज्ञानिक समीक्षा की परिधि एवं प्रयोजन

(ङ) शैली-वैज्ञानिक समीक्षा के विभिन्न उपकरण

(च) शैली-वैज्ञानिक समीक्षा के विभिन्न भाषिक-स्तर

(छ) निष्कर्ष ।

तृतीय अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में चयन एवं संयोजन — पृ०- 60-14:

(क) ध्वनीय चयन एवं संयोजन

(ख) शब्दीय चयन एवं संयोजन

(ग) पदीय चयन एवं संयोजन

(घ) वाक्यीय चयन एवं संयोजन

(ङ) प्रोक्तीय चयन एवं संयोजन

(च) अर्थीय चयन एवं संयोजन

(छ) निष्कर्ष ।

चतुर्थ अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में विचलन एवं विपथन पृ०-144-190

(क) ध्वनीय विचलन एवं विपथन

(ख) शब्दीय विचलन एवं विपथन

(ग) पदीय विचलन एवं विपथन

(घ) वाक्यीय विचलन एवं विपथन

(ङ) प्रोक्तीय विचलन एवं विपथन

(च) अर्थीय विचलन एवं विपथन

(छ) निष्कर्ष ।

पंचम अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में समानान्तरता पृ०- 191-233

(क) ध्वनीय समानान्तरता

(ख) शब्दीय समानान्तरता

(ग) पदीय समानान्तरता

(घ) वाक्यीय समानान्तरता

(ङ) प्रोक्तीय समानान्तरता

(च) अर्थीय समानान्तरता

(छ) निष्कर्ष ।

षष्ठ अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में अप्रस्तुत-योजना एवं सादृश्य-विधान
पृ०- 234-276

(क) अप्रस्तुत-योजना :

1. मूर्त के लिए मूर्त-योजना
2. मूर्त के लिए अमूर्त-योजना
3. अमूर्त के लिए मूर्त-योजना
4. अमूर्त के लिए अमूर्त-योजना

(ख) सादृश्य-विधान :

1. रूप सादृश्य-विधान
2. आकार सादृश्य-विधान
3. प्रभाव सादृश्य-विधान
4. क्रिया सादृश्य-विधान

(ग) निष्कर्ष ।

सप्तम अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में बिम्ब-विधान **पृ०- 277-307**

(क) दृश्य-बिम्ब

(ख) श्रव्य-बिम्ब

(ग) घ्राण-बिम्ब

(घ) आस्वाद्य-बिम्ब

(ङ) स्पर्श-बिम्ब

(च) संश्लिष्ठ-बिम्ब

(छ) निष्कर्ष ।

अष्टम अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में प्रतीक-विधान **पृ०- 308-343**

(क) प्राकृतिक प्रतीक

(ख) सांस्कृतिक प्रतीक

(ग) पौराणिक प्रतीक

(घ) धार्मिक प्रतीक

(ङ) राजनीतिक प्रतीक

(च) अन्य प्रतीक

(छ) निष्कर्ष

नवम अध्याय : श्रीनरेश मेहता के काव्य में छन्द-विधान **पृ०- 344-384**

(क) मात्रिक छन्द

(ख) वर्णिक छन्द

(ग) मुक्त छन्द

(घ) निष्कर्ष

दशम अध्याय : उपसंहार **पृ०- 385-397**

परिशिष्ट : संदर्भ-ग्रंथ-सूची **पृ०- 398-403**

(क) उपजीव्य-ग्रंथ

(ख) सहायक-ग्रंथ

(घ) कोश-ग्रंथ

(ग) पत्र-पत्रिकाएँ

• • •